वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 222 | रविवार 10 दिसम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

330 स्टूडेंट्स पिकनिक डे पर गुलाबगढ पहुंचे

जयपुर. कासं

कठपुतली डांस हो या गेम बच्चों का हंसता खिलखिलाता चेहरा जो मस्ती भरे पिकनिक डे को एन्जॉय करते दिखे। मौका था एसएमएस स्कूल की और से पिकनिक डे का। स्कूल की तरफ से जयपुर में गुलाबगढ़ बच्चों को ले जाया गया। ये पिकनिक डे खास तौर पर क्लास 1और 2 के स्टूडेंट्स के लिए आयोजित किया गया था। इस उत्साह भरे पिकनिक में करीब 330 स्टूडेंट्स शामिल हुए । सुबह की हलकी ठण्ड और धुप के बीच बच्चों के खेल कूद,गीत संगीत और गेम्स के साथ पिकनिक को पूरी तरह एन्जॉय किया। मस्ती की पाठशाला में बच्चों ने बाउंसी, घोड़ागाड़ी और ऊंटगाड़ी की सवारी कर जमकर मस्ती की। बच्चों ने यहां ट्रेडिशनल गीत संगीत विधा को भी जाना। गेम एक्टिविटी के साथ पिकनिक डे को पुरे उत्साह के साथ सेलिब्रेट किया ।

पर्यटन स्थल के रूप में जयगढ़ के 40 साल पूरे

जयपुर में 'द जयगढ़ फेस्टिवल' का आगाज; टॉक शोज, कथक और बासुंरी वादन की दी गई प्रस्तुतियां

जयपुर. कासं

जयपुर के जयगढ़ फोर्ट ने पर्यटन स्थल के रूप में 40 साल पूरे कर लिए हैं। इसका जश्न मनाने के लिए जयगढ़ फोर्ट में शनिवार से दो दिवसीय 'द जयगढ़ फेस्टिवल' का आगाज हुआ। जयपुर की विरासत, कला और शिल्प के संरक्षण और प्रोत्साहन के उदेश्य से किए जा रहे इस फेस्टिवल का उद्घाटन जयपुर के पूर्व राजपरिवार के पद्मनाभ सिंह और गौरवी कुमारी ने किया। फेस्टिवल के पहले दिन सुभट निवास में जयपुर घराने के कथक नृत्य और बांसुरी वादन की प्रस्तुति हुई। फेस्टिवल में स्टूडेंट्स, विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस अवसर पर महाराजा पद्मनाभ सिंह ने कहा- जयपुर शहर अपनी संस्कृति और इतिहास के लिए प्रसिद्ध है। मुझे प्रसन्नता और गर्व है कि जयगढ़ फोर्ट के 40 गौरवशाली सालों का जश्न मनाने के लिए आज जयगढ़ फेस्टिवल की शुरूआत की गई है। जयगढ़ फोर्ट हमारी संस्कृति, परंपरा और इतिहास को दर्शाता है। यह फेस्टिवल एक पहल है जिसके माध्यम से हम जयगढ़ की हेरिटेज, कछवाहा इतिहास, राजस्थान की संगीत परंपराओं और जीवंत लोक संस्कृति से लोगों को रूबरू कराने का प्रयास कर रहे हैं। जयगढ़ फोर्ट के खिलबति निवास में टॉक शोज की एक विस्तृत श्रृंखला आयोजित हुई। डॉ. जाइल्स टिलोट्सन ने 'बिल्डिंग जयगढ़: द फोर्ट थ्रू टाइम' विषय पर बात करते हुए जयगढ़ फोर्ट के वास्तुशिल्प पर प्रकाश डाला। उन्होंने किले से जुड़ी विभिन्न बारीकियों के बारे में बात की। जिस पर पहले कभी गौर नहीं किया गया है। किले और इसके कम ज्ञात तथ्यों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि जयगढ़ का इतिहासकारों ने कभी

अध्ययन नहीं किया क्योंकि उन्हें किलों में जाने की अनुमति नहीं थी। डॉ. गाइल्स ने किले की विभिन्न वास्तुशिल्प विशेषताओं के बारे में भी विस्तार से बात की।

'कॉन्क्वेर्स एंड प्रोटेक्टर्स

रिट्रेसिंग कछावा हिस्ट्री' पर एक अन्य टॉक में डॉ. अभिमन्यु सिंह अरहा ने चर्चा की। उन्होंने संपूर्ण कछवाहा इतिहास पर नए सिरे से रोशनी डालते हुए विस्तार से चर्चा की और आमेर एवं जयपुर से संबंधित गलत धारणाओं पर प्रकाश डालते हुए, कम ज्ञात भागों के बारे में बताया। 'रीवाइविंग द म्यूजिक ट्रेडिशंस ऑफ राजस्थान' विषय पर चर्चा में, गोविंद सिंह भाटी और शेरोन जेनेवीव ने राज्य से जुड़े विभिन्न पारंपरिक और सांस्कृतिक संगीत के बारे में बात की और बताया कि आने वाली पीढ़ियों के लिए उन्हें जीवित रखना क्यों महत्वपूर्ण है। वहीं सुरुचि शर्मा ने दर्शकों को 'जर्नी विद फोक' में लोक संस्कृति से रू-ब-रू कराया, जहां उन्होंने राजस्थान की विभिन्न लोक प्रस्तुतियों और कलाओं के बारे में बात की।

लक्ष्मी विलास में क्राफ्ट और फूड बाजार

जयगढ़ फेस्टिवल के पहले दिन लघु चित्रकला, ब्लॉक प्रिंटिंग जैसी कई कार्यशालाएं आयोजित हुईं। इसके अलावा, पीडीकेएफ क्राफ्ट बाजार में सॉफ्ट टॉय मेकिंग, गोटा पट्टी, बीड ज्वैलरी जैसे शिल्प का डेमोन्स्ट्रेशन फेस्टिवल का विशेष आकर्षण रहा। दिन का समापन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सुरुचि शर्मा की डॉक्यूमेंट्री 'मीन राग' की स्क्रीनिंग के साथ हुआ। फेस्टिवल के दूसरे दिन, 10 दिसंबर को समापन समारोह आयोजित होगा। जिसमें लोक प्रस्तुतियां का प्रदर्शन, कवि सम्मेलन और कार्यशाला के प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। इसके बाद दिन में एक कला प्रदर्शनी और फेस्टिवल बाजार का भी आयोजन होगा।

दीक्षांत समारोह में 969 विद्यार्थियों को मिली डिग्री

मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर ने ऑनलाइन डिग्री प्रोग्राम के स्टूडेंट्स को प्रदान की डिग्री

जयपुर. कासं। मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर का ऑनलाइन शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत ऑनलाइन डिग्री प्रोग्राम के पहले दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में 2022-2023 बैच के कुल 969 विधार्थियों को डिग्री से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मनीकंट्रोल के मैनेजिंग एडिटर डॉ नलिन मेहता, यूनेक्स्ट लर्निंग

प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ अंबरिष सिन्हा शामिल हुए। पहले दीक्षांत समारोह में प्रबंधन एंव आईटी विषय क्षेत्रों में एमबीए और एमसीए के 969 विधार्थियों ने मुख्य अतिथि के हाथों से डिग्री ली। कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत अकादमिक पद संचालन के साथ हुआ, जिसमे मुख्य अतिथि, गेस्ट ऑफ ऑनर के साथ मणिपाल विश्वविद्यालय जयपुर के प्रेसिडेंट प्रो. गोपाल कृष्ण प्रभु, प्रो-प्रेसिडेंट प्रो. जवाहर मल जांगीर, कुलसचिव प्रो. नीतू भटनागर, ऑनलाइन शिक्षा निदेशालय के निदेशक डॉ मल्लिकार्जुन गड्डपा, परीक्षा नियंत्रक दासरी नागराजु, उप परीक्षा नियंत्रक डॉ. पूजा शर्मा, समस्त कार्यक्रम एंव पाठ्यक्रम समन्वयक शामिल थे। राष्ट्रगान के साथ प्रारम्भ हुए इस कार्यक्रम मे विश्वविद्यालय का कुलगीत का भी गायन हुआ। इसके बाद विश्वविदयालय के प्रेसिडेंट प्रो. गोपाल प्रभु ने मुख्य अतिथि को एंव प्रो-प्रेसिडेंट प्रो. जांगीर ने गेस्ट ऑफ ऑनर को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा नेत्र जांच एवम रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

148 ने किया रक्तदान, 800रोगियों की हुई नेत्र जांच। चयनित 150 रोगियों का आज रविवार, 10 दिसंबर को होगा नेत्र लैंस प्रत्यारोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा सेठ जगन्नाथ कपूरचंद जैन मेमोरियल ट्रस्ट झिलाय के सौजन्य से दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर एवम श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति मीरा मार्ग, मानसरोवर जयपुर के तत्वावधान में शनिवार, 9 दिसंबर को ग्राम झिलाय तहसील निवाई में एक विशाल नेत्र जांच शिविर एवम रक्तदान शिविर का आयोजन प्रातः 9 से 1बजे तक आयोजित किया गया। सन्मति ग्रुप के अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका ने बताया कि शनिवार को आयोजित शिविर में चयनित 150 नेत्र रोगी लैंस प्रत्यारोपण के लिए सायकाल मीरा मार्ग मानसरोवर जयपुर स्थित आदिनाथ भवन में लाया गया जहां पर रविवार को उनका लैंस प्रत्यारोपण होगा। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या व मंत्री निर्मल संघी ने बताया कि रक्तदान शिविर में 148 लोगो ने रक्तदान किया उन्हे यातायात अवेयरनेस कार्यक्रम के अंतर्गत आईएसआई मार्का हेलमेट भेंट किए गए। सन्मति ग्रुप के कार्याध्यक्ष मनीष-शोभना लोंग्या व सचिव अनिल - निशा संघी के अनुसार सभी रोगियों को सोमवार, 11दिसंबर को प्रातः भोजन के पश्चात डॉक्टरों द्वारा नेत्र जांच व चश्मे वितरित किए जायेंगे तत्पश्चात उन्हें वापस झिलाय ग्राम भिजवाया जायेगा। शिविर आयोजक सेठ जगन्नाथ कपूर चंद जैन मेमोरियल ट्रस्ट झिलाय के डॉक्टर पी सी जैन ने बताया कि शिविर में डॉक्टर पुरुषोत्तम त्रिवेदी द्वारा निशुल्क एक्यूप्रेशर चिकित्सा भी की गई। सभी की निशुल्क डायबिटीज व ब्लड प्रेशर की जांच भी की गई। आदिनाथ मित्र मंडल के अध्यक्ष सुनील जैन व मंत्री राजेंद्र बाकलीवाल ने बताया कि सम्मान समारोह के मुख्य अथिति प्रमुख समाज सेवी सुरेंद्र पांड्या, दीप प्रज्वलन कर्ता राजधानी ग्रुप के अध्यक्ष प्रकाश अजमेरा तथा अध्यक्षता यश कमल अजमेरा राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन करेंगे। समारोह के गौरवमय अतिथि प्रमुख वास्तु शास्त्री दिनेश गंगवाल, प्रमुख समाज सेवी महेंद्र रावका, जे एसजी नॉर्दन रीजन के सयुक्त सचिव राजीव जैन होंगे तथा विशिष्ट अतिथि प्रमुख समाज सेवी भागचंद जैन लागडियावास वाले, सुनील पहाड़िया राजधानी ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष तथा कसेरा टेंट एंड इवेंट के महावीर कसेरा होंगे। शिविर सयोजक अनिल -प्रेमा रावका एवम राकेश - रेणु संघी के अनुसार जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी, जैन सोश्यल ग्रुप महानगर, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार, आदिनाथ मित्र मंडल, सोश्यल एंड ब्लड एड सोसायटी एवम आदिनाथ फाउंडेशन के सहयोग से यह शिविर आयोजित किया जा रहा है।

@ पेज 3 पर

नेत्र जांच एवम रक्तदान शिविर आयोजित

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा सेठ जगन्नाथ कपूरचंद जैन मेमोरियल ट्रस्ट झिलाय के सौजन्य से दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर एवम श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति मीरा मार्ग, मानसरोवर जयपुर के तत्वावधान में शनिवार, 9 दिसंबर को ग्राम झिलाय तहसील निवाई में एक विशाल नेत्र जांच शिविर एवम रक्तदान शिविर का आयोजन प्रातः 9 से 1बजे तक आयोजित किया गया।

वेद ज्ञान

अपनी प्रशंसा न स्वयं करें और न ही सुनें

आपको सद्बुद्धि के साथ-साथ निश्चयात्मक बुद्धि और पवित्रता चाहिए, तो मां भगवती की आराधना करें। शक्ति परांबा की आराधना करें। वे विद्या हैं, मुक्तिप्रदायिनी भी हैं। वे अविद्या भी हैं, बंधन में डाल देने वाली। वे ही हृदय में सद्भाव का संचरण करती हैं। वही हैं बीजों में बीजत्व। वही हैं शक्ति। वही हैं भक्ति। वही हैं मेधा ऋतंभरा भी। उनकी कृपा दृष्टि पड़ने पर आसुरी भाव दैवी भाव में बदल जाते हैं। बुद्धि की जड़ता छिन जाती है और चैतन्य का प्रसाद मिल जाता है। उनकी कृपा से वेदों को समझने की शक्ति मिल जाती है। वे जब कृपा करती हैं, तो हमारा कौतूहल जिज्ञासा बन जाता है, जो दुर्गति का नाश कर दे और चित्त को सारे व्यसनों से मुक्त कर परम सत्ता की ओर उन्मुख कर दे, वही दुर्गा हैं। इसलिए देवी भागवत अध्यात्म का शास्त्र है। अध्यात्म यानी अध्य-आत्म अर्थात अपनी तरफ लौटना, स्वरूप की तरफ लौटना। शुचिता और पवित्रता की तरफ लौटना। मां से हम प्रार्थना करें कि हमारा मन ऐसा हो जाए, जिसमें परमात्मा स्वयं आकर विराजमान हो जाएं। मां हमें करुणा, पवित्रता तथा प्रसन्नता प्रदान करें। मां के लिए सुर-असुर एक समान हैं। वह पात्रता नहीं देखती हैं। वह तो वत्सला होती हैं। जीवन के सबसे बड़े बंधन हैं- राग-द्वेष। इसलिए अपनी प्रशंसा न स्वयं करें और न ही सुनें। जहां ऐसा हो रहा हो, वहां से पलायन कर जाएं। जहां आपकी प्रशस्ति गाई जा रही हो, वहां से अनुपस्थित हो जाएं। दरअसल, किसी भी कार्य के संपन्न होने में ईश्वरीय शक्ति का योगदान होता है। मनुष्य तो सिर्फ माध्यम बनते हैं। इस बात को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए। आपका प्रशस्ति गान करने वाले लोग मिथ्या भी बोल सकते हैं, लेकिन अपने मन के दर्पण में देखकर स्वयं के बारे में जानने की कोशिश करते रहें। हम प्रशंसा के योग्य हैं या नहीं, इसके द्वारा यह जान सकते हैं। सारी दुनिया जय- जयकार करे, तो हमें अपने मन से पूछना चाहिए कि हमारी दशा क्या है। राग ही सारे अनर्थ की जड़ है। सृजन के लिए बुद्धि चाहिए। सृजन को हम ब्रह्मा या मां सरस्वती की कृपा मानते हैं। यदि आप वास्तव में मां सरस्वती की कृपा चाहते हैं, तो अपने प्रयासों से देश भर में विद्यालयों की स्थापना करें, इस संकल्प के साथ कि देश का कोई भी बच्चा निरक्षर नहीं रह पाए।

संपादकीय

भ्रामक सूचना फैलाने वालों पर लगाम कसने की तैयारी

इसमें कोई दो राय नहीं कि तकनीक ने मनुष्य के जीवन को बेहतर बनाया है, लेकिन चूंकि यह अपने आप में एक निरपेक्ष माध्यम है, इसलिए इसका इस्तेमाल करने में वैसे लोगों को भी कोई अड़चन नहीं आती, जो इसके जरिए किसी को परेशान करते हैं और यहां तक कि आपराधिक हरकत भी करते हैं। हाल के दिनों में 'डीपफेक' तकनीक के जरिए कुछ जानी-मानी हस्तियों की तस्वीर और वीडियो से छेड़छाड़ कर उनकी छवि बिगाड़ने की कोशिशों ने इस चिंता को बढ़ा दिया है कि इसकी सीमा आखिर कहां है! अच्छा यह है कि कुछ मामलों के सुर्खियों में आने के बाद इसकी गंभीरता के मद्देनजर सरकार ने इस मसले पर जरूरी सक्रियता का संकेत दिया है और अब वह डीपफेक पर लगाम लगाने के लिए कदम उठाने जा रही है। गौरतलब है कि सरकार ने मंगलवार को डीपफेक तकनीक और भ्रामक सूचना के मुद्दे से निपटने के लिए उठाए गए कदमों की सोशल मीडिया के मंचों के साथ समीक्षा करते

हुए कहा कि अब इस मसले पर सौ फीसद अनुपालन को लेकर परामर्श जारी किया जाएगा। इसके तहत सोशल मीडिया मंचों को नए नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा और आनलाइन उपयोगकर्ताओं के विश्वास और सुरक्षा पर ध्यान दिया जाएगा। दरअसल, फर्जीवाड़े के जरिए साइबर अपराधों के साथ-साथ इंटरनेट पर भ्रामक सूचनाओं का संजाल पहले ही एक जटिल समस्या के रूप में आम लोगों से लेकर सरकार तक के लिए मुश्किल पैदा करता रहा है। उसके अपने जोखिम हैं, जिसमें लोगों को गलत तरीके से प्रभावित करने से लेकर सार्वजनिक प्रतिक्रियाओं को मनमर्जी से संचालित करने की आशंका जुड़ी है। इससे निपटने के लिए कुछ कदम उठाए गए, मगर उसका कोई ठोस हासिल नहीं दिख रहा था। इसके समांतर पिछले कुछ समय में डीपफेक तकनीक ने जैसे खतरे खड़े किए हैं, उसने सभी स्तर पर एक नई चिंता खड़ी की है। जिस तरह तथ्यों में हेरफेर करके या फिर झूठे ब्योरे परोस कर भ्रामक सूचनाओं के जरिए लोगों को एक अंधेरे में झोंका जाता रहा है। उसी तरह कृत्रिम बुद्धिमत्ता या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से मीडिया सामग्री, तस्वीर या वीडियो में छेड़छाड़ या डिजिटल हेराफेरी करके किसी व्यक्ति को गलत ढंग से पेश किया जाता है। सिर्फ इतने से ही इसके खतरे का अंदाजा लगाया जा सकता है कि कोई व्यक्ति वीडियो में कुछ करता दिखता है, मगर वास्तव में वह उसमें नहीं होता है। समस्या यह है कि सोशल मीडिया के ज्यादातर मंच कृत्रिम मेधा के उच्चतर स्तर का प्रयोग करने के बावजूद ऐसी तकनीक के जरिए परोसी गई सामग्री की रोकथाम करने का तंत्र अब तक विकसित नहीं कर पाए हैं। कुछ सामग्रियों को लेकर तथ्य-जांच के नाम पर एक सीमा तक लोगों को सावधानी बरतने की सूचना दी जाती है, मगर वह एक आधी-अधूरी व्यवस्था है। कृत्रिम मेधा का विकास जिस स्तर तक हो चुका है, उसमें अलग-अलग स्वरूप वाले सोशल मीडिया मंचों को तस्वीर या वीडियो में छेड़छाड़ कर प्रस्तुत की गई सामग्री की पहचान करने और उसे रोकने की व्यवस्था लागू करनी चाहिए। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

उम्मीद की सूरत

जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक को लोकसभा में मंजूरी मिल जाने के बाद उम्मीद जगी है कि जल्दी ही वहां लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल हो सकेगी। दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभक्त कर दिए गए राज्य को फिर से पुराना ढांचा मिल सकेगा। जम्मू-कश्मीर में परिसीमन का काम लंबे समय से चल रहा था और सरकार कहती थी कि परिसीमन का काम पूरा हो जाने के बाद वहां चुनाव प्रक्रिया शुरू की जा सकेगी। अब आरक्षण और पुनर्गठन कानूनों में संशोधन के बाद वहां विधानसभा में सीटों की संख्या एक सौ सात से बढ़ कर एक सौ चौदह हो गई है। उनमें नौ सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित की गई हैं। दो सीटें घाटी से विस्थापितों के लिए और एक सीट पाक अधिकृत कश्मीर से विस्थापितों के लिए आरक्षित की गई है। लोकसभा में इन विधेयकों पर चर्चा के वक्त गृहमंत्री ने कहा कि इससे विस्थापितों को अपने हक की आवाज बुलंद करने में मदद मिलेगी। हालांकि परिसीमन को लेकर जम्मू-कश्मीर की राजनीति में सक्रिय दलों ने कई तरह की आपत्ति दर्ज कराई थी और परिसीमन दल के साथ सहयोग न करने का फैसला किया था, मगर स्थानीय लोगों की मांगों और उनकी इच्छाओं के अनुरूप पुनर्गठन अधिनियम को अंतिम रूप दिया गया। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विस्थापितों के लिए सीटें आरक्षित करने का श्रेय सरकार बढ़-चढ़ कर ले रही है। निश्चित रूप से इसे बड़ा फैसला कहा जा सकता है, क्योंकि किसी भी वर्ग को जब राजनीतिक मंच और कानून बनाने का अधिकार मिलता है, तो उसे अपने हक में फैसले कराने में आसानी हो जाती है। अभी तक कश्मीर से पलायन कर दूसरे इलाकों में बसे लोगों की शिकायत थी कि उन्हें व्यवस्था की मुख्यधारा से अलग-थलग छोड़ दिया गया है। अब निश्चय ही उन्हें इस आरक्षण से सत्ता में पहुंचने का अवसर मिलेगा। विस्थापित कश्मीरी पंडितों का पुनर्वास केंद्र सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजना है। इसके लिए पहले ही वह उन्हें नौकरियों में जगह देने का प्रावधान कर चुकी है। इसके तहत अनेक विस्थापित कश्मीरी पंडित राज्य सरकार की नौकरियों में गए और फिर अपने घरों में बसे। हालांकि सरकार का इरादा है कि सभी विस्थापितों को घाटी में फिर से बसाया और उनकी कब्जा कर ली गई जमीन-जायदाद को वापस दिलाया जाए। मगर इस दिशा में अपेक्षित कामयाबी नहीं मिल पाई है। अब भी विस्थापित कश्मीरी पंडित घाटी में खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करते। विधानसभा में सीटों का आरक्षण होने के बाद भी यह चुनौती रहेगी कि किस तरह विस्थापितों को सुरक्षा प्रदान की जाए। जो लोग लौट कर घाटी में बसे हैं, उन्हें आतंकी हमलों का भय सताता रहता है। पिछले कुछ सालों में कई कश्मीरी पंडित लक्षित हमलों का शिकार भी हुए हैं। पिछले वर्ष इसे लेकर कश्मीरी पंडितों ने फिर से घाटी से पलायन का इरादा जताया था। हालांकि सरकार उन्हें सुरक्षा प्रदान करने और आतंकवादी गतिविधियों को पूरी तरह समाप्त करने के अपने संकल्प पर दृढ़ है। देखना है, इसमें उसे कितनी कामयाबी मिल पाती है। फिलहाल सबकी नजर इस बात पर है कि वहां कब चुनाव कराए जाएंगे। इसे लेकर सर्वोच्च न्यायालय भी पूछ चुका है। इसी तरह वह केंद्रशासित राज्यों को जोड़ कर फिर से राज्य का दर्जा प्रदान करने को लेकर सवाल कर चुका है। हालांकि सरकार ने इस बारे में अभी तक कोई संकेत नहीं दिया है।

सेठ जगन्नाथ कपूरचन्द जैन मेमोरियल ट्रस्ट, झिलाय
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, राज. रीजन, जयपुर
श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

के संयुक्त तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर द्वारा

9वां निःशुल्क नेत्र जांच, लैंस प्रत्यारोपण एवं रक्तदान शिविर

सम्मान एवं समापन समारोह

सोमवार, 11 दिसम्बर 2023
प्रात: 9.30 बजे से

स्थान: श्री आदिनाथ भवन
मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

शिविर सहयोगी संस्थाए

जैन सोश्यल ग्रुप महानगर, जयपुर * श्री आदिनाथ फाउण्डेशन, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी, जयपुर * सोश्यल एण्ड ब्लड एड सोसायटी, जयपुर
आदिनाथ मित्र मंडल, जयपुर * दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार, जयपुर

2013 से 2022 तक आयोजित 8 शिविरो में लगभग 8000 रोगियों की नेत्र जाँच एवं 1250 नेत्र लैंस प्रत्यारोपण ऑपरेशन डॉ. वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर, टोंक रोड, जयपुर पर करवाये गये हैं।

नेत्र जाँच एवं रक्तदान शिविर

शनिवार 09 दिसम्बर, 2023
प्रातः 9 बजे से 1 बजे तक
स्थान : राजकीय सीनियर सैकण्डरी स्कूल, झिलाय, तह. निवाई (टोंक)

झिलाय में आयोजित शिविर में लैंस प्रत्यारोपण के लिए चयनित रोगी शनिवार 09 दिसम्बर को सायं 5 बजे दिगम्बर जैन आदिनाथ भवन, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर लाये जायेंगे। रोगियों के ऑपरेशन रविवार 10 दिसम्बर 2023 को नवीन तकनीक व आधुनिक मशीनों द्वारा डॉ. वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर, टोंक रोड, जयपुर पर विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा किये जायेंगे। सोमवार 11 दिसम्बर को प्रातः 11 बजे रोगियों को वापस झिलाय भिजवाया जायेगा।

सम्मान व समापन समारोह

सोमवार 11 दिसम्बर, 2023 प्रातः 9.30 बजे से
स्थान : श्री आदिनाथ भवन, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

दीप प्रज्ज्वलनकर्ता	मुख्य अतिथि	अध्यक्षता
श्रीमान् प्रकाश जी अजमेरा अध्यक्ष, जैन सोश्यल ग्रुप, राजधानी	श्रीमान् सुरेन्द्र कुमार जी पाण्ड्या राष्ट्रीय महामंत्री, दिगम्बर जैन महासमिति	श्रीमान् यश कमल जी अजमेरा राष्ट्रीय कार्याध्यक्षः दि. जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन
गौरवमय अतिथि	गौरवमय अतिथि	गौरवमय अतिथि
श्रीमान् दिनेश जी गंगवाल प्रमुख वास्तुशास्त्री परामर्शकः दि. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर	श्रीमान् राजीव जी जैन संयुक्त सचिव जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन नॉर्दन रीजन	श्रीमान् महेन्द्र कुमार जी रांवका प्रमुख समाजसेवी मानसरोवर
विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि	विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् सुनील जी पहाडिया संस्थापक अध्यक्ष जैन सोश्यल ग्रुप, राजधानी	श्रीमान् भागचंद जी बाकलीवाल लांगडियावास वाले प्रमुख समाजसेवी	श्रीमान् महावीर जी कसेरा प्रमुख समाजसेवी कसेरा टैंट एण्ड इवेंट

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

राकेश–समता गोदिका अध्यक्ष	सुरेन्द–मृदुला पांड्या संरक्षक	दर्शन–विनीता बाकलीवाल संरक्षक	दिनेश–संगीता गंगवाल परामर्शक	मनीष–शोभना लोंग्या कार्याध्यक्ष	अनिल–अनिता जैन कोषाध्यक्ष	अनिल–निशा संघी सचिव

सुनील–सुनीता गोदिका उपाध्यक्ष	चक्रेश–पिंकी जैन उपाध्यक्ष	राकेश–रेणु संघी उपाध्यक्ष	विनोद–हेमा सोगानी उपाध्यक्ष	राजेश–रितु छाबड़ा संगठन सचिव	राजेश–रानी पाटनी संगठन सचिव	प्रदीप–प्राची बाकलीवाल संयुक्त सचिव	चेतन–डॉ. अनामिका पापड़ीवाल संयुक्त सचिव	कमल–मंजु ठोलिया सांस्कृतिक सचिव	राजेन्द्र–कुसुम जैन खेल सचिव

कार्यकारिणी सदस्य : अनिल–ज्योति चौधरी * डॉ अनुपम–विनीता जैन * सपन–रजनी छाबड़ा * नितेश–मीनू पाण्ड्या विशेष आमंत्रित : अशोक–अर्चना पाटनी * अशोक सेठी

शिविर सहयोगी

जैन सोश्यल ग्रुप महानगर, जयपुर संजय छाबडा 'आवा' – अध्यक्ष, प्रदीप जैन – संस्थापक अध्यक्ष, सुनील जैन – सचिव, रवि जैन – संयोजक सामाजिक सेवा	**सोश्यल एण्ड ब्लड एड सोसायटी, जयपुर** राकेश गोदिका – अध्यक्ष, सुरेश जैन – संस्थापक अध्यक्ष, राकेश संघी – कोषाध्यक्ष, जय कुमार बडजात्या – सचिव	**श्री आदिनाथ फाउण्डेशन, 81/61 पटेल मार्ग, मानसरोवर** अनिता जैन – प्रमुख न्यासी, नरेश कुमार जैन – प्रबन्ध न्यासी
जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी प्रकाश–लीला अजमेरा – अध्यक्ष, सुनील–आरती पहाडिया – संस्थापक अध्यक्ष, पवन–रीटा पाटनी – सचिव	**आदिनाथ मित्र मंडल, जयपुर** सुनील जैन – अध्यक्ष, राजेन्द्र बाकलीवाल – मंत्री, मुकेश जैन – कोषाध्यक्ष, साकेत जैन – संयोजक	**दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार, जयपुर** मोहनलाल गंगवाल – अध्यक्ष, नवीन सेन जैन – संस्थापक अध्यक्ष, सुरेश जैन बांदीकुई – कार्याध्यक्ष, गिरीश कुमार जैन – सचिव, कैलाश चन्द सेठी – कोषाध्यक्ष

निवेदक

सेठ जगन्नाथ कपूरचन्द जैन मेमोरियल ट्रस्ट, झिलाय के. एम. जैन – अध्यक्ष, डॉ. पी. सी. जैन – मंत्री, महावीर प्रसाद जैन – संयोजक, राजेश जैन – संयोजक, जितेन्द्र जैन – संयोजक, प्रहलाद चौधरी – संयोजक	**दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, राज. रीजन, जयपुर** राजेश बडजात्या – अध्यक्ष, अनिल जैन – संस्थापक अध्यक्ष, निर्मल संघी – सचिव, यश कमल अजमेरा – नि. अध्यक्ष, पारस कुमार जैन – कोषाध्यक्ष	**श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति** सुशील कुमार जैन – अध्यक्ष, सुनील बैनाडा – वरिष्ठ उपाध्यक्ष, तेजकरण चौधरी – उपाध्यक्ष, राजेन्द्र कुमार सेठी – मंत्री, मनोज कुमार जैन – संयुक्त मंत्री, लोकेन्द्र कुमार जैन – कोषाध्यक्ष, अशोक कुमार सेठी – संगठन मंत्री, जम्बू कुमार सोगणी – सांस्कृतिक मंत्री

श्रीमद जिनेंद्र वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव की द्वितीय वर्षगांठ...

दिगंबर जैन मंदिर नसियां जी में हुआ स्वर्ण रत्नत्रय कलश, पांच परमेष्ठी कलश व 201जिन धर्म कलशों से महामस्तकाभिषेक

जिनालय में हुआ संकटहरण श्री अजित नाथ जी महामंडल विधान पूजन का आयोजन

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

श्रीमद जिनेंद्र बेदी प्रतिष्ठा महोत्सव की द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर आज श्री दिगंबर जैन मंदिर नसिया जी में कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन बड़े उत्साह के साथ हुआ। सुबह जैन श्रद्धालुओं ने बड़े भक्ति भाव के साथ संकट हरण 1008 भगवान श्री अजित नाथ जी का तीन रत्न स्वर्ण कलश पांच रजत परमेष्ठी कलश एवं सैकड़ो धर्म कलशों के द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ धर्माबलम्बीओ बड़े उत्साह के साथ में महा मस्तकाभिषेक के दौरान अपने हाथों से श्रीजी की प्रतिमा के ऊपर कलश ढुलाऐ।। भगवान का अभिषेक करने के लिए भक्तों में होंड मची रही। श्रद्धालुओं ने अपने परिवारजनों के नाम पर अपने नाम पर सुख समृद्धि की कामना के साथ में जिनेंद्र भगवान का अभिषेक किया।इस अवसर पर भगवान के तीन स्वर्ण रत्न त्रय कलशो का आवंटन बोली के द्वारा किया गया। प्रथम स्वर्ण सम्यक दर्शन कलश करने का सौभाग्य बाबूलाल, डॉ मनोज, मुकेश वर्धमान हॉस्पिटल वालों को मिला। द्वितीय स्वर्ण सम्यक ज्ञान कलश डॉक्टर आईपी जैन, रश्मि जैन को मिला और तृतीय स्वर्ण चारित्र कलश का सौभाग्य कैलाश चंद्र निलेश कुमार विपिन कुमार जैन श्रीमाल को मिला। इसी प्रकार पंच परमेष्ठी कलशों में प्रथम अरिहंत कलश श्रीमान बाबूलाल जी जैन अध्यापक को द्वितीय रजत सिद्ध कलश डॉक्टर मानव जैन को तृतीय रजत आचार्य कलश श्रीमती पुष्पा देवी विनय कुमार जैन बोहरा को चतुर्थ रजत उपाध्याय कलश श्रीमती आशा देवी राजीव विकास जैन बोहरा को पांचवा रजत सर्व साधु कलश करने का सौभाग्य अनिल जी जैन रेलवे वालों को मिला। इस अवसर पर विश्व शांति एवं सर्व शांति की कामना के साथ में भगवान की शांति धारा करने का सौभाग्य डॉक्टर एमपी जैन रमेश जैन सुमेर जैन पवन जैन सतीश जैन वीरेंद्र जैन सोनी परिवार को मिला। इस अवसर पर नरेंद्र जैन नृपत्या द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत अभिषेक एवं शांतिधारा श्रद्धालुओं के द्वारा करवाऐ । भगवान के अभिषेक को देखने के लिए बड़ी संख्या में जैन बंधु महिलाएं उपस्थित रही एवं इस अनुपम दृश्य को देखकर भाव होकर मंगल गीत या भाव नृत्य के साथ में कार्यक्रम में भाग लिया। मस्तकभिषेक कार्यक्रम के बाद में नसियां जी ध्वज वाटिका में स्थित 51 फुट उतंग उत्तंग ध्वज दंड पर बाबूलाल डॉक्टर मनोज जैन मुकेश जैन वर्धमान हॉस्पिटल वालों ने विशाल पचरंगी ध्वज का मंत्र उच्चारण एवं नवकार मंत्र की ध्वनि के साथ में ध्वजारोहण करने सौभाग्य प्राप्त किया। इस अवसर पर नसियां जिनालय में संकट हरण 1008 श्री अजित नाथ भगवान महामंडल विधानपूजन का बड़ी भव्यता के साथ आयोजन किया गया जिसमें समाज के साधर्मी बंधुओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। महिलाओं ने अपने हाथों से विधानमंडल पर चतुष्कोण कलश, अष्ट मंगल,रजत आशिका ,मंगल कलश स्थापित किए और दीपक प्रज्ज्वलित किया। इस अवसर पर अजित नाथ भगवान की उत्साह ,भक्ति भाव के साथ में पूजन की गई इस अवसर पर सोलह कारण भावना के 16, जन्म अतिशय के 34 अष्ट प्रतिहार के 8 सहित 64 अर्घ मंत्रोचरण के साथ में विधानमंडल पर चढ़ाए गए।

एसडीसी सांगानेर किट्टी ने रिमूव प्लास्टिक का लिया संकल्प

जयपुर. शाबाश इंडिया

एसडीसी सांगानेर किट्टी का आयोजन आज यहां पर क्लब हाउस में किया गया ।थीम थी सर्दी हो गई छूमंतर। संयोजिका मोनालिसा जैन ने सभी को कोट, ग्लव्स, मफलर,टोपी पहनकर आने की थीम दी थी। प्रारंभ में सभी मेंबर्स का स्वागत आते ही तिलक लगाकर एवं चॉकलेट देकर किया गया। एक इंटरेस्टिंग गेम में गुब्बारा उड़ाते हुए बेलन में चूड़ियां पिरोनी थी। इस गेम में दीप्ति जैन प्रथम तथा श्रद्धा जैन द्वितीय रही। शशि सेन जैन ने ग्रुप बनाकर अंताक्षरी खिलाई और इसके पश्चात सर्दी थीम पर हाऊजी खिलाई गई। सभी मेंबर्स ने संकल्प लिया कि कपड़े की थैली काम में लेंगे और रिमूव प्लास्टिक अभियान को संकल्प सहित बखूबी निभाएंगे ।इसके अलावा सभी ने एक-एक कंबल के लिए डोनेशन दिया कि रात को सोते समय चलकर जो भी जरूरतमंद बिना कंबल के होगा उसे डोनेट किया जाएगा। कल्पना गोधा, नीतू जैन, सुनीता गोधा,कल्पना पाटोदी,रीना जैन,माला गंगवाल,रेखा सुल्तानिया,मंजू जैन, सरोज जैन आदि ने पुराने फिल्मी गीतों पर डांस किया। अंत में स्वादिष्ट भोजन के साथ किट्टी का समापन हुआ और नए वर्ष की शुभकामनाओं के साथ अगले वर्ष मिलने का वादा किया।

किसान फसलों को पाले से बचाने का उपाय करते हुए

सुधीर शर्मा.शाबाश इंडिया

सीकर। जिले में किसान अपनी फसलों को पाले से बचाने की कई तरह के उपाय कर रहे हैं, सबसे ज्यादा सब्जी व फुलों की खेती का बचाव करते नजर आ रहे हैं, क्योंकि अगर इन पर थोड़ा भी पाले का असर होते ही यह नष्ट होने का अंदेशा होता है,ऐसा ही उदाहरण आज कुदन गांव में किसान जगदेव के खेत में देखने को मिला जो अपनी बागवानी को बचाने की लिए कपड़े से ढक कर बचाने का उपाय कर रहा था और भी किसान अपने अपने तरीके से फसलों को बचाते हैं और खेती करते हैं। जगदेव ने बताया की यह कार्य हर साल करना पड़ता है तब जाकर फसल बचती है फिर भी किसान को अपनी फसल पर ज्यादा मुनाफा नहीं होता है। हमें हर साल मौसम की मार झेलनी पड़ती है और फसलों को बचाने का हर उपाय करते हैं।

पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारत गौरव गणिनि आर्यिका विज्ञा श्री माता जी की प्रेरणा से राजस्थान चाकसू गुन्नसी हाइवे पर बनने जा रहा विशाल सहस्त्र कूट कलाशा कार जिनालय की नींव का शिलान्यास कार्यक्रम 10 दिसंबर 2023को रविवार को प्रातः साढ़े 11बजे होने जा रहा हैं। जयपुर लोकसभा सांसद रामचरण बोहरा जी ने कार्यकम का बैनर विमोचन किया। इस अवसर पर जैन समाज के दीपक जैन पहाड़िया संजय पांड्या, ताराचंद जैन उपस्थित थे।

लोक अदालत में मौके पर निपटे 128 मामले

रावतसर. शाबाश इंडिया। यह विधिक सेवा प्राधिकरण की दूरगामी सोच का ही नतीजा है जो लोक अदालत की अवधारणा आमजन के हितार्थ धरातल पर सफलतापूर्वक फलीभूत हो रही है। आपसी समन्वय एवं समझाइश के द्वारा राजीनामा के आधार पर मामले निस्तारित होने से एक तरफ जहां प्रत्येक पीड़ित को समय पर कानूनी उपचार मिल रहा है वहीं दूसरी ओर लोक अदालत में निपटे प्रकरणों के पक्षकारों के मध्य भाईचारा भी कायम है। यह बात

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रचना बिस्सा ने विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार शनिवार को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कही। लोक अदालत को लेकर तालुका विधिक सेवा समिति अध्यक्ष एसीजेएम बिस्सा ने एसीजेएम व जेएम न्यायालय द्वारा रेफर मामले,राजस्व विवाद एवं प्री लिटिगेशन के प्रकरणों में समझाइश की। लोक अदालत में दीवानी प्रकृति के वाद, दाण्डिक शमनीय मामले, चेक अनादरण के मामले, पारिवारिक विवाद व प्री लिटिगेशन के 128 मामले निस्तारित किए गए। इनमें 1 करोड़ 41 लाख 46 हजार 172 रुपए की अवार्ड राशि पारित की गई। इस दौरान तहसीलदार नवीन गर्ग, बार अध्यक्ष लिच्छिराम छिम्पा, सदस्य विनोद स्वामी, एम.एल.शर्मा, सचिव संतलाल बिजारणियां, उमेश शर्मा, दुलीचंद अठवाल, हनुमान जोशी, रजनीश शर्मा, सतपाल भादू, राजशेखर शर्मा, अशोक बिश्नोई, संदीप नाई, नीतू भोजवानी, नोरंगलाल काला, हरिचंद लावा, मनसाराम सहित न्यायिक कर्मचारी, अधिवक्ता व पक्षकारान मौजूद रहे।

सोनी सब के फैमिली ड्रामा ''आंगन-अपनों का'' में, समर वरमानी करिश्माई होटल मैनेजर की भूमिका निभाते हुए नया तड़का लगाएंगे

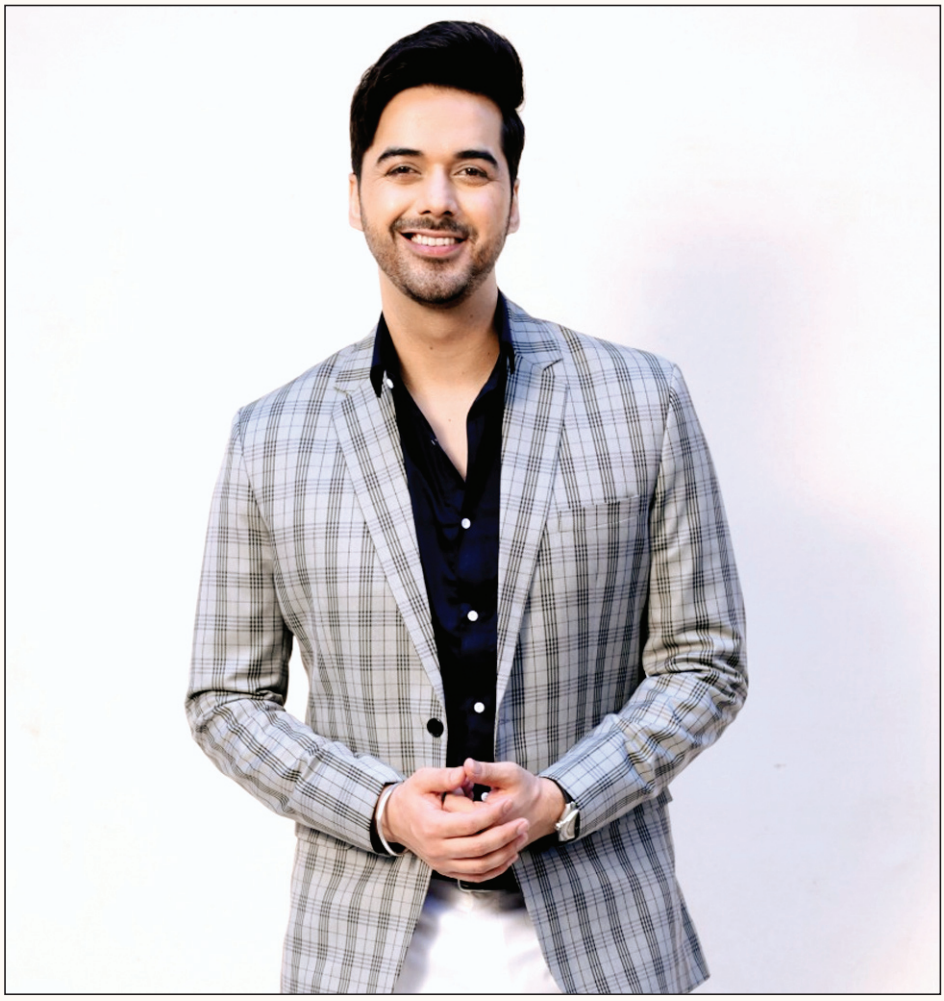

जयपुर. शाबाश इंडिया। सोनी सब का आगामी शो ''आंगन-अपनों का'' एक पारिवारिक ड्रामा है जिसमें महेश ठाकुर तीन बेटियों-दीपिका (नीता शेट्टी), तन्वी (अदिति राठौर) और पल्लवी (आयुषी खुराना) के सिंगल पिता की भूमिका निभा रहे हैं। यह प्यारा फैमिली ड्रामा परिवार की सबसे छोटी बेटी पल्लवी की कहानी दर्शाता है, जो अपने पिता जयदेव के प्रति अपने प्यार और ज़िम्मेदारी से कोई समझौता नहीं करना चाहती है। शादी के बाद, अपनी दो विवाहित बहनों की प्राथमिकताओं को बदलते हुए देखने के बाद, पल्लवी सदियों पुरानी प्रथा पर सवाल उठाती है और अटूट प्रतिबद्धता के साथ अपने पिता की देखभाल करना चाहती है। अभिनेता समर वरमानी नायक आकाश की भूमिका में कदम रख रहे हैं। ऊर्जा और सकारात्मकता से सराबोर, 24 वर्षीय आकाश अपनी ईमानदारी और परफेक्शन के प्रति गहरे लगाव के लिए जाना जाता है। दर्शकों के लिए यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या पल्लवी के जीवन में आकाश के आने से उसके पिता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता में बाधा उत्पन्न होगी। आकाश अवस्थी का किरदार निभा रहे, समर वरमानी ने कहा, ''आकाश के किरदार को जीवंत करना एक सार्थक सफर रहा है। इसमें एक ऐसे किरदार को समझना शामिल है, जो सिद्धांतों को महत्व देने के साथ ही पारिवारिक संबंधों को भी अहमियत देता है, और लगातार कड़ी मेहनत करके सफलता पाने की संतुष्टि में विश्वास करता है। एक प्रतिष्ठित 5 सितारा होटल के मैनेजर के रूप में, वह निरंतर प्रगति और कड़ी मेहनत करने में विश्वास करते हुए, अपने काम को गंभीरता से लेता है। आकाश पारिवारिक आदर्शों को अहमियत देता है और उच्च भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाले व्यक्तियों की ओर आकर्षित होता है। भले ही उसे मजाक करना पसंद है, इसके बावजूद वह विश्वसनीय है और अपनी गलतियों को स्वीकार करने के लिए हमेशा तैयार रहता है। यह सिर्फ अभिनय नहीं है; यह आकाश के विश्वासों और सपनों के अपने दिल में उतारने के बारे में है, जिससे यह अनुभव चुनौतीपूर्ण और बेहद संतुष्टिदायक बन जाता है।'' सोनी सब के ''आंगन - अपनों का'' पर अधिक अपडेट के लिए हमारे साथ बने रहें, जो 11 दिसंबर से शाम 7:30 बजे आपके टेलीविजन स्क्रीन को रोशन करेगा!

श्री विमल- श्रीमती शिमला जी

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के सम्मानीय सदस्य

की वैवाहिक वर्षगांठ
(10 दिसंबर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका,
संरक्षक: सुरेंद्र - मृदुला पांड्या, दर्शन - विनीता जैन, **परामर्शक:** दिनेश-संगीता गंगवाल
कार्याध्यक्ष: मनीष - शोभना लोंग्या, **सचिव:** अनिल - निशा संघी, **कोषाध्यक्ष:** अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्रीराधा सरल बिहारी मंदिर में श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ

मानवता की शिक्षा देती है भागवत: मृदुल कृष्ण, शुभारंभ पर निकली 108 महिलाओं की भव्य कलशयात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

टोंक रोड,बीलवा, मानपुर नांगल्या स्थित श्रीराधासरल बिहारी मंदिर में श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का भव्य आयोजन शनिवार को 108 महिलाओं की निकली कलश यात्रा से हुआ। इस दौरान आसपास का क्षेत्र भक्ति और आस्था के रंग में डूब गया। आयोजक श्रीमती सरला गुप्ता व रजनीश गुप्ता ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ शनिवार को भव्य लवाजमे के साथ निकलने वाली 108 महिलाओं की निकली कलशयात्रा से हुआ। कलशयात्रा में 108महिलाएं एक ही परिधान में सिर पर मांगलिक कलश लेकर चल रही थी। इस दौरान शोभायात्रा में श्रद्धालु भजनों की मधुर स्वर लहरियों पर नाचते गाते हुए चल रहे थे। जिन-जिन मार्गों से यह कलष यात्रा गुजरी,वे सभी मार्ग भक्ति और आस्था के रंग में सराबोर नजर आए। यह कलशयात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई कथा स्थल मानपुर नांगल्या स्थित श्रीराधासरल बिहारी मंदिर पहुंची,जहां पर भागवत कथा का शुभारंभ करते हुए परम श्रद्धेय आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा का प्रत्येक प्रसंग हमें मानवता की शिक्षा प्रदान करता है। हमारा जीवन किस मार्ग से चले कि उसे लक्ष्य की प्रप्ति हो। आगे बताते हुए आचार्य जी ने कहा कि श्री मद भागवत कथा मानव को मानवता ही नहीं बल्कि मानवता के साथ - साथ वैष्णवता और भगवत्ता की शिक्षा देकर इनका पात्र भी बनाती है जीव को। महापुराण का प्रारम्भ करते हुए उन्होंने बताया कि माहात्य के प्रारम्भ में ही श्री सूत महाराज ने श्री शुकदेव जी की वन्दना करते हुए लिखा है कि श्री शुकदेव जी ने जन्म लेते ही घर से वन की राह पकड़ ली और वन में जाकर भगवान की आराधना में लीन हो गए, ऐसी आराधना भगवान की किया की भागवत और भगवान दोनों प्राप्त हो गए। उन्होंने आगे कहा कि कथा क्रम में 88 हजार शौनकादि ऋषियों ने सूत जी से यही प्रार्थना किया कि आप हमें ऐसी कथा सुनाओं कि मानव के हृदय के अन्धकार को दूर करने में वह करोड़ों सूर्य के समान हो तो सूत जी ने कहा कि इतनों करोड़ों सूर्य के प्रकाश की आवश्यकता क्यों,शौनकादि ऋषियों ने कहा कि हे सूत जी महाराज मानव के हृदय में इतना अन्धकार है कि दुनिया में कहीं भी नहीं है। इस अन्धकार को दूर करने के लिये प्रकाश की आवश्यकता है कि जिसका तेज करोड़ों सूर्य के समान हो, तो सूत जी ने कहा कि हे शौनकादि ऋषि आपका प्रश्न संसार के कल्याण के लिये है। ऋषियों आपको ऐसी कथा सुनाऊंगा जिससे कि संसार से निवृत्ति और परमात्मा में प्रवृत्ति होगी, और परमात्मा में प्रवृत्ति ही मानव जीवन का लक्ष्य है। आयोजक श्रीमती सरला गुप्ता व रजनीश गुप्ता ने बताया कि महोत्सव के तहत रविवार को श्रीशुकदेव चरित्र, तुलसी स्तुति, भीष्म स्तुति व परीक्षित चरित्र व 11को श्रीवराह अवतार, श्रीकपिलोख्यान, श्रीशिवपार्वती चरित्र और ऋषभदेव अवतार की कथा सुनाएंगे। उन्होंने बताया कि ज्ञानयज्ञ के तहत 12 दिसम्बर को श्रीप्रहलाद चरित्र,समुद्र मंथन लीला,श्रीराम जन्मोत्सव के बाद भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत 13को श्रीकृष्ण बाल लीला,माखनचोरी लीला व गोवर्धन लीला व 15को श्रीमहारास लीला,गोपी गीत व द्वारिका लीला की कथा सुनाएंगे। उन्होंने महोत्सव के अंतिम दिन 15 को श्रीनवयोगेश्वर संवाद, द्वादश स्कंध के बाद कथा की पूर्णाहुति होगी।

सेठ जगन्नाथ कपूरचन्द जैन मेमोरियल ट्रस्ट, झिलाय
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, राज. रीजन, जयपुर
श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
के संयुक्त तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर द्वारा

9वां निःशुल्क नेत्र जांच, लैंस प्रत्यारोपण एवं रक्तदान शिविर

सम्मान एवं समापन समारोह

सोमवार, 11 दिसम्बर 2023
प्रातः 9.30 बजे से

स्थानः श्री आदिनाथ भवन
मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

दीप प्रज्ज्वलनकर्ता
श्रीमान् प्रकाश जी अजमेरा
अध्यक्ष, जैन सोश्यल ग्रुप, राजधानी

मुख्य अतिथि
श्रीमान् सुरेन्द्र कुमार जी पाण्ड्या
राष्ट्रीय महामंत्री, दिगम्बर जैन महासमिति

अध्यक्षता
श्रीमान् यश कमल जी अजमेरा
राष्ट्रीय कार्याध्यक्षः दि. जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन

गौरवमय अतिथि
श्रीमान् दिनेश जी गंगवाल
प्रमुख वास्तुशास्त्री
परामर्शकः दि. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

गौरवमय अतिथि
श्रीमान् राजीव जी जैन
संयुक्त सचिव
जैन सोश्यल ग्रुप फेडरेशन नॉर्दन रीजन

गौरवमय अतिथि
श्रीमान् महेन्द्र कुमार जी रांवका
प्रमुख समाजसेवी
मानसरोवर

गौरवमय अतिथि
श्रीमान् सुनील जी पहाड़िया
संस्थापक अध्यक्ष
जैन सोश्यल ग्रुप, राजधानी

गौरवमय अतिथि
श्रीमान् भागचंद जी वाकलीवाल
लागंडियावास वाले
प्रमुख समाजसेवी

गौरवमय अतिथि
श्रीमान् महावीर जी कसेरा
प्रमुख समाजसेवी
कसेरा टैंट एण्ड इवेंट

शिविर सहयोगी संस्थाए
जैन सोश्यल ग्रुप महानगर, जयपुर * श्री आदिनाथ फाउण्डेशन, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर
जैन सोश्यल ग्रुप राजधानी, जयपुर * सोश्यल एण्ड ब्लड एड सोसायटी, जयपुर
आदिनाथ मित्र मंडल, जयपुर * दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप नवकार, जयपुर

शांतिनाथ विधान का किया मंगल आयोजन

टीकमगढ़. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर लार मे श्री 1008 शांतिनाथ विधान का आयोजन बहुत ही भक्ति भाव उमंग के साथ श्रीमती आभा जैन डॉक्टर अरविन्द्र जैन अंशिका अनी अरहम जैन के सौजन्य से पंडित श्री सिद्धधांत जैन कोठिया सिद्धक्षेत्र आहार जी के कुशल निर्देशन में किया गया। प्रातःकालीन बेला मे नित्य नियम सामूहिक अभिषेक शांतिधारा की गई, शांतिधारा करने का महासौभाग्य अर्हम जैन को प्राप्त हुआ। दोपहर मे मंगल पाठ भक्तामर का संगीतमय पाठ देवेन्द्र जैन संगीतकार एन्ड पार्टी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम मे महेन्द्र जैन शिक्षक, अनिल जैन टीकमगढ़,मुकेश जैन लार बड़ागांव, अजय जैन राजस्व टीकमगढ़ सम्मिलित हुये।

नेटथियेट पर मै आयो शरणे थारी

जानकीनाथ सहाय करे, जब कौन बिगाड़ करे नर तेरो

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेटथियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज युवा गायक पूनीत गुप्ता ने अपनी मधुर वाणी से श्याम भजन की ऐसी सरीता प्रवाहित की कि दर्शक हिलौरें लेने लगे। नेटथियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि कलाकार पूनीत गुप्ता ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत जयराधा गोपिनाथ बनाओ बात बिगड़ती मेरी में आयो शरणे थारी सुनाया तो लोग वाह-वाह कर उठे। इसके बाद गुप्ता ने श्रीराम भक्त बोले राम राम और अंत में सांझ सवेरे अधरों पे मेरे बस तुम्हारा है नाम सांवरिया सुनाकर लोगों को मंत्रमुग्ध किया। इनके साथ तबले पर युवा तबला वादक सोहेल वारसी की संगत ने कार्यक्रम को सुरीला बना दिया। साथ ही कार्यक्रम में कीबोर्ड पर जतिन शर्मा, ऑक्टोपेड पर त्रिलोक शर्मा एवं ढोलक पर अब्दुल आतिफ की संगत से कार्यक्रम सुरमयी बन गया। मंच सज्जा सागर गढवाल व कैमरा संचालन मनोज स्वामी का रहा तथा प्रकाश जिवितेश शर्मा एवं संगीत अंकित शर्मा नोनू का रहा।

पिच्छिका परिवर्तन समारोह एवं सहस्त्र कूट जिनालय शुभारंभ का 90 - 150 का मुख्य पांडाल बनाया गया

भारत गौरव विज्ञाश्री माताजी एवं विज्ञा तीर्थ कमेटी ने किया अवलोकन

विमल जोला. शाबाश इंडिया

गुंसी, निवाई। सहस्त्र कूट जिनालय विज्ञा तीर्थ गुन्सी में विराजमान गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी संघ के सानिध्य में रविवार को आयोजित होने वाले चातुर्मास निष्ठापन एवं पिच्छिका परिवर्तन समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा जिसमें शनिवार को आयोजित कार्यक्रम के लिए 90 - 150 का मुख्य पांडाल बनाया गया है इसके अलावा 30 - 60 एवं 15 - 90 के पांडाल बनाया गया है। चातुर्मास कमेटी के प्रचार प्रसार संयोजक विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि चातुर्मास निष्ठापन एवं पिच्छिका परिवर्तन समारोह कार्यक्रम की शुरूआत दोपहर 11 बजे ध्वजारोहण के साथ शुरू होगा। इसके बाद प्रतिष्ठाचार्य विमल कुमार बनेठा एवं अजीत शास्त्री इन्दौर के निर्देशन में सहस्त्र कूट जिनालय का विधिवत मंत्रोच्चार द्वारा शुभारंभ होगा। जौंला ने बताया कि शनिवार को विज्ञा श्री माताजी एवं ज्ञान श्री माताजी के सानिध्य में कार्यक्रम का सामूहिक अवलोकन किया गया जिसमें विज्ञा तीर्थ कमेटी के कार्याध्यक्ष महावीर प्रसाद पराणा सुनील भाणजा विजय गंगवाल महेंद्र चंवरिया विमल जौंला अशोक चंवरिया शुभम जैन सहित अनेक गणमान्य लोगों ने मुख्य स्थल में बने पांडाल का अवलोकन किया। जौंला ने बताया कि कार्यक्रम में पिच्छिका परिवर्तन में मंगलाचरण सामूहिक नृत्य शास्त्र भेंट पाद प्रक्षालन वस्त्र भेंट के साथ अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कैट एवं मेटा द्वारा जयपुर में व्यापारियों को सोशल मीडिया के जरिए व्यापार करने के लिए ट्रेनिंग सैमीनार

जयपुर. शाबाश इंडिया

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स राजस्थान के अध्यक्ष सुभाष गोयल व महामंत्री सुरेन्द्र बज ने बताया कि सोशल मीडिया पर 450 मिलियन से अधिक लोगों का एक बड़ा आधार होने के कारण, भारत में सोशल कॉमर्स व्यापार अर्थव्यवस्था के मजबूत विकास के लिए तैयार है और ऐसे में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप के स्वामित्व वाली कंपनी मेटा के साथ मिलकर देश भर में व्यापारियों को सोशल मीडिया के जरिए व्यापार करने का एक राष्ट्रीय ट्रेनिंग अभियान ह्व व्यापार आपके द्वारह्व के अन्तर्गत आज जयपुर में एक ट्रेनिंग वर्कशॉप होटल शकुन सी-स्कीम में आयोजित की गई जिसमें शहर के प्रमुख व्यापारी संगठनों के 150से अधिक व्यापारी नेताओं ने भाग लिया। वर्कशॉप की अध्यक्षता कैट के प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ व्यापारी नेता श्री सुभाष गोयल ने की। इस अवसर पर कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल, प्रदेश चेयरमैन सुरेश पटोदिया, प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र बज, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा सेठी, जयपुर अध्यक्ष सचिन गुप्ता भी मौजूद रहे। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि इस ट्रेनिंग के माध्यम से व्यापारियों को फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सप एवं रील द्वारा अपने व्यापार में वृद्धि करने की ट्रेनिंग दी जाएगी जिससे भारत मे सोशल कॉमर्स को बढ़ावा मिल सके। भारत में सोशल कॉमर्स का वर्तमान वार्षिक कारोबार 8 बिलियन डॉलर है, जिसके वर्ष 2030 तक 85 बिलियन डॉलर के आंकड़े को छूने का अनुमान है। सुभाष गोयल ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं की बिक्री और खरीद को सोशल कॉमर्स के रूप में जाना जाता है और विशेष रूप से व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम को इसकी व्यापक पहुंच और करोड़ों लोगों द्वारा इनके लगातार उपयोग को अब कैट व्यापार के लिए उपयोग करेगा। सुरेन्द्र बज ने कहा कि वर्तमान में भारत में व्हाट्सएप पर 75 करोड़, फेसबुक पर 37 करोड़ और इंस्टाग्राम पर 33 करोड़ उपयोगकर्ता हैं, जो ई-कॉमर्स परिदृश्य की तुलना में बहुत बड़ी संख्या है और लगभग 100 करोड़ लोग देश में स्मार्ट फोन का उपयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि स्मार्ट फोन तथा इंटरनेट की चारों तरफ पहुँच के चलते सोशल कॉमर्स ई कॉमर्स से कहीं ज्यादा बड़ा डिजिटल कॉमर्स बनकर उभरेगा और इसीलिए कैट ने देश भर में अब सोशल कॉमर्स को व्यापार का बड़ा हिस्सा बनाने का निर्णय लिया है। सुरेश पटोदिया ने कहा कि सोशल कॉमर्स को प्राथमिकता दी जाती है क्योंकि इसमें खरीदारी को सरल बनाया गया है, स्केलेबल ट्रस्ट-बिल्डिंग, स्मार्ट क्यूरेशन, विक्रेताओं के लिए उपकरण, नए उपभोक्ता की ढूँढ आसानी से होना, उच्च मूल्य श्रेणियों की फिर से कल्पना करना और सोशल-कॉमर्स पारिस्थितिकी तंत्र के लिए सक्षम बनाना है इसीलिए आने वाले समय में सोशल कॉमर्स ई कॉमर्स को कहीं पीछे छोड़ देगा। श्री सचिन गुप्ता ने कहा कि सोशल कॉमर्स पूरे भारत में सूक्ष्म, लघु व्यवसायों और उद्यमियों को नए बाजारों की खोज करने और अपने ग्राहकों की सेवा करने के साथ-साथ अपने व्यवसाय के लिए एक पेशेवर डिजिटल पहचान बनाने के लिए एक लोकतांत्रिक प्रवेश द्वार प्रदान करता है और वह भी बिना किसी लागत के। सोशल कॉमर्स का विस्तार होना तय है क्योंकि इसमें पहले से ही विक्रेताओं और खरीदारों दोनों की बड़ी संख्या है और केवल एक चीज की जरूरत है कि इन दोनों सिरों को एक सामंजस्यपूर्ण तरीके से जोड़ा जाए जो कि एक आसान तरीका है। देश के हर बाजार में सोशल कॉमर्स की गूंज पहुंचाने के लिए कई पूरे देश में 45 हजार से अधिक सहयोगी व्यापारी संगठनों को इस ट्रेनिंग अभियान में शामिल करेगा। श्री खंडेलवाल ने कहा कि तेजी से विकसित हो रही व्यावसायिक जरूरतों के साथ, प्रौद्योगिकी विकास के लिए एक महत्वपूर्ण प्रवर्तक हो सकती है।

आचार्य परमेष्ठी विधान का हुआ आयोजन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। आचार्य सुमतिसागर महाराज के 56 वें मुनि दीक्षा दिवस के अवसर पर शनिवार को आचार्य विवेक सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में पंडित कोमलचंद जैन शास्त्री के निर्देशन में आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में आचार्य परमेष्ठी विधान का आयोजन किया गया। श्री दिगम्बर जैन युवा मण्डल के अध्यक्ष हर्षद बड़जात्या ने बताया कि आचार्य परमेष्ठी विधान पूजन में महिलाओं ने केसरिया वस्त्र व पुरुषों ने सफेद वस्त्र धारण कर अष्ट द्रव्यों से अर्घ्य चढ़ाये। इससे पूर्व प्रातः नित्यभिषेक, शांतिधारा व पूजन आचार्य द्वय के चित्रावरण, शास्त्र भेंट, पाद प्रक्षालन व विनयान्जलि समर्पण कार्यक्रम हुआ। सायं आचार्य महाराज की आरती की गयी।

जीवन में विवेक का महत्व : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी,निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी (राज.) में विराजमान भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी के मुखारविंद से अभिषेक शांतिधारा करने का सौभाग्य हेमन्त कापरेन , जिनेन्द्र जयपुर , महेश निवाई , शैलेन्द्र जी निवाई , अरविंद निवाई , गणेश बडानयागांव वालों ने प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने सभी को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि - मनुष्य के अंदर अनंत शक्ति का भंडार है लेकिन सबसे बड़ी शक्ति है विवेक की। व्यक्ति विवेक के प्रकाश में चलता रहे तो दुःख के कारण स्वतः समाप्त हो जाते हैं। भगवान महावीर ने कहा कि विवेक ही धर्म की जननी है। मनुष्य अविवेक के कारण जीव

हिंसा करता है। केवल किसी का वध करना ही हिंसा नहीं है। प्राणी को मन, वचन, काया से कष्ट पहुंचाना भी हिंसा है। उन्होंने कहा आंख से अंधा व्यक्ति सुखी रह सकता है पर जिसमे विवेक नहीं है वह कभी सुखी नहीं रह सकता। विवेक इंसान को प्रकृति द्वारा अनुपम उपहार है। विवेक का उचित प्रकार से प्रयोग करना आवश्यक है। महावीर का संदेश जियो और जीने दो जब सार्थक होगा, जब हर कार्य में विवेक का ध्यान रखा जाए। विवेकपूर्वक चलें, भोजन बनाते समय, खाते समय विवेक रखें। विवेक उस आंख के समान है जिसके माध्यम से व्यक्ति भले और बुरे कार्य की पहचान कर सकता है। यदि विवेक नहीं होगा तो वह गलत रास्तों पर भी चला जाता है। विवेक के द्वारा व्यक्ति को कर्तव्य और अकर्तव्य का बोध कर सकता है। व्यक्ति कम बोले या नहीं बोले, यह महत्वपूर्ण नहीं है, पर महत्वपूर्ण यह है कि जो भी बोले विवेकपूर्वक बोले, जिसने विवेक को धारण कर लिया उसने वर्तमान और परलोक दोनों को सुधार लिया। 10 दिसम्बर 2023 को होने वाले पिच्छिका परिवर्तन एवं 108 फीट उत्तुंग कलशाकार सहस्त्रकूट जिनालय के भव्य शुभारम्भ में सम्मिलित होकर इस सुअवसर में साक्षी बनकर पुण्यार्जन करें।

वात्सल्य वारिधी आचार्य 108 वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के दर्शन कर धर्म लाभ प्राप्त किया

मदनगंज किशनगढ़ में पावन चातुर्मास 2024 हेतु किया श्री फल भेंट

साबला/डूंगरपुर. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के पावन सिद्ध क्षेत्र सिद्धों की पावन भूमि गिरनार पर्वत पर महावीर प्रसाद, विनोद कुमार , कैलाश चंद पाटनी परिवार उरसेवा निवासी की अगुवाई में गये 200 यात्रियों का यह दल आज सिद्ध क्षेत्र पांवागढ से वन्दना करने के बाद प्रातः काल डूंगरपुर जिले के साबला कस्बे में स्थित पूवार्चार्य अजित सागर जी महाराज की समाधि स्थली अजित कीर्ति गिरी पर पहुंचा। राजाबाबू गोधा ने बताया कि अजित कीर्ति गिरी पहुंचने के बाद यहां विराजमान आचार्य 108 श्री वर्धमान सागर महाराज ससंघ के दर्शन कर अपने को धन्य किया सभी श्रद्धालुओं ने आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के जयकारों के साथ दर्शन कर पूजा अर्चना की। यात्रा संयोजक कैलाश पाटनी उरसेवा निवासी ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में अजमेर, कुचामन, मदनगंज किशनगढ़, मालपुरा, फुलेरा, केकड़ी, ब्यावर, लाम्बा, रहलाना, खोरा बिसल, दूदू , नारेड़ा, फागी, माधोराजपुरा, निवाई तथा सांगानेर सहित अनेक शहरों कस्बों से पधारे हुए गणमान्य जनों ने कार्यक्रम में आचार्य श्री कि विभिन्न व्यंजनों से पूजा अर्चना की तथा उरसेवा के पाटनी परिवार ने रजत धातु से बने नारियल, रजत युक्त अष्टद्रव्यों सहित पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्य श्री ने अपने मंगलमय में उद्बबोधन में श्रृदालुओं को संबोधित करते हुए बताया कि वर्तमान समाज प्रीति एवं प्रेम में डूबा हुआ है व दो मुखी है अगर प्रीति और प्रेम धर्म के प्रति, धर्मात्माओं के प्रति,वीतरागता के प्रति समर्पित रहता है तो धर्म की भव्य अभिवृद्धि होती है। पाटनी परिवार के पूर्व जन,माता पिता , और परिवार जनों ने धर्म की अभिवृद्धि की है यह उसी का प्रतिफल है जो विनोद कुमार -उषा पाटनी के वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष सुखद पूर्वक पूर्ण होने पर जीवन की यात्रा को सुखद एवं सफल बनाकर धार्मिक रुप दे दिया। कार्यक्रम में आज उक्त यात्रा दल ने अतिशय क्षेत्र अढिंदा पार्श्वनाथ के दर्शन कर वापस देर रात मदनगंज किशनगढ़ पहुंचा ओर सभी यात्रियों ने विभिन्न क्षेत्रों की यात्रा सहर्ष करवाने पर पाटनी परिवार का आभार व्यक्त किया।

जे एस जी महानगर की धन्यवाद एवं आभार वियतनाम दौरा मीटिंग सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप महानगर द्वारा आयोजित विदेश भ्रमण यात्रा (21 नवम्बर से 28 नवम्बर) की सफलता एवं सदस्यों द्वारा दिये गये सहयोग के लिए धन्यवाद एवं आभार प्रकट करने हेतु मिटिंग का आयोजन किया गया। मिटिंग की शुरूआत संजय छाबड़ा, अध्यक्ष जैन सौशल ग्रुप महानगर के स्वागत उदबोधन के साथ हूई ।इस अवसर पर यात्रा के सयोजक दिपेश - अलका छाबड़ा एवं विरेंद्र - नीना जैन ने यात्रा के दौरान की गई व्यवस्थाओं से अवगत कराते हुए सदस्यों को अपना अनुभव शेयर करने का अनुरोध किया। इस विदेश यात्रा में शामिल प्रदीप - निशा जैन (संस्थापक अध्यक्ष) एवं रवि प्रकाश - नमिता जैन (पूर्व अध्यक्ष) ने भी यात्रा के संस्मरण से सदस्यों को अवगत करवाया। इस मीटिंग में महानगर ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष सिद्धार्थ - चंचल पांड्या, राजीव - अंजू जैन, कार्यकारिणी सदस्य सुरेंद्र - सरिता पाटनी, राज - अमिता जैन, विनीत - मोनिका जैन सहित ग्रुप सदस्यों ने सहभागीता निभाई। सभी उपस्थित दम्पत्ति सदस्यों ने भी अपने अपने यात्रा के अनुभव शेयर किये और यात्रा को अविस्मरणीय एवं कभी नहीं भूलने वाली बताया।इस वियतनाम विदेश यात्रा को यादगार एवं स्मरणीय बनाने हेतु विदेश यात्रा पर गये सभी परिवार को आकर्षक उपहार सफारी ट्रॉली सूट केस, जैन सोश्यल ग्रुप महानगर की ओर से दिया गया। सुनील - अनिता गंगवाल, सचिव ने सभी उपस्थित सदस्यों को उनकी सहभागिता के लिए धन्यवाद दिया।

निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज को नमन करता दिखाई दिया ताजमहल

आगरा. शाबाश इंडिया

9 दिसम्बर को प्रेम की निशानी और राग की प्रतिमूर्ति ताजमहल की ख्याति को ललकारने के लिए जैन धर्म के सरताज और वीतरागता के साक्षात प्रमाण निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज पहुंचे। गुरुवर के ताजमहल प्रांगण में हुए प्रवेश के बाद सभी दर्शनार्थियों की नजर वीतरागी संत की ओर आकर रुक गई। मुनिवर ने ताजमहल के प्रांगण में पहुंच, बारीकी से ताजमहल को देखा, ये वही क्षण था जब राग और वीतराग एक दूसरे के आमने सामने थे, और हजारों लोग इस अभूत पूर्व क्षण के साक्षी बन रहे थे ताजमहल को देखने के बाद मुनिपुंगवश्री ने कहा कि ये मॉन्यूमेंट सॉइकोलॉजी अतीत है, एक बार जो अंदर जाएगा वो ये कहेगा कि ये पागलपन है। इस दौरान निर्यापक मुनिपुंगवश्री सुधासागर जी महाराज के साथ सकल दिगम्बर जैन समाज के गणमान्य लोग मौजूद थे। ताजमहल में गुरुवर के स्वागत के लिए समाज के लोगों ने रास्तों को रंगोलियों से सजाया। वहीं गुरुवर के आगमन पर अन्य देशी और विदेशी पर्यटक भी पंक्तिबद्ध होकर खड़े हो गए।ताजमहल को टक्कर देने वाले लोकोदय तीर्थ की प्रेरणा आगरा वासियों को देने के बाद मुनिपुंगवश्री ने खुद ताजमहल का अवलोकन किया और संग चल रहे आगरावासियों को एक बार फिर प्रेरित किया कि इस ऐतिहासिक ईमारत से भी भव्य लोकोदय तीर्थ को बनाना है। मुनिसंघ के साथ बड़ीं संख्या में ताजगंज सकल जैन समाज एवं समस्त लोग भी मौजूद रहे।

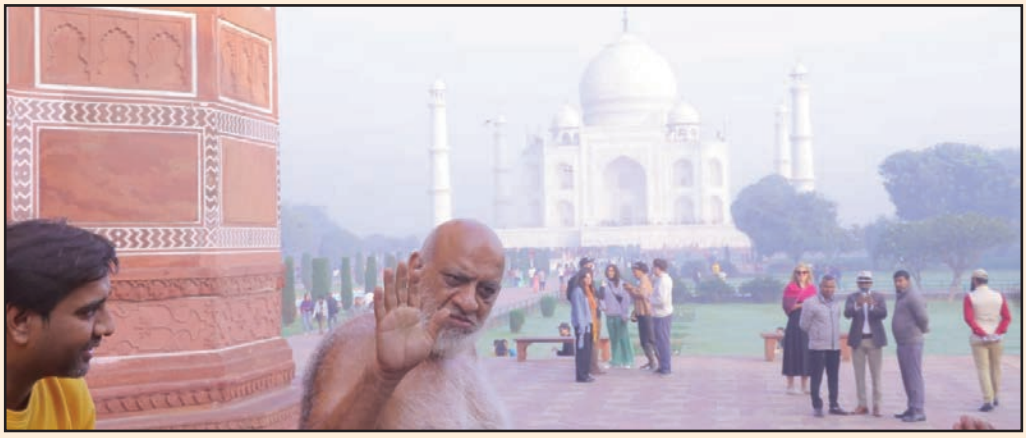

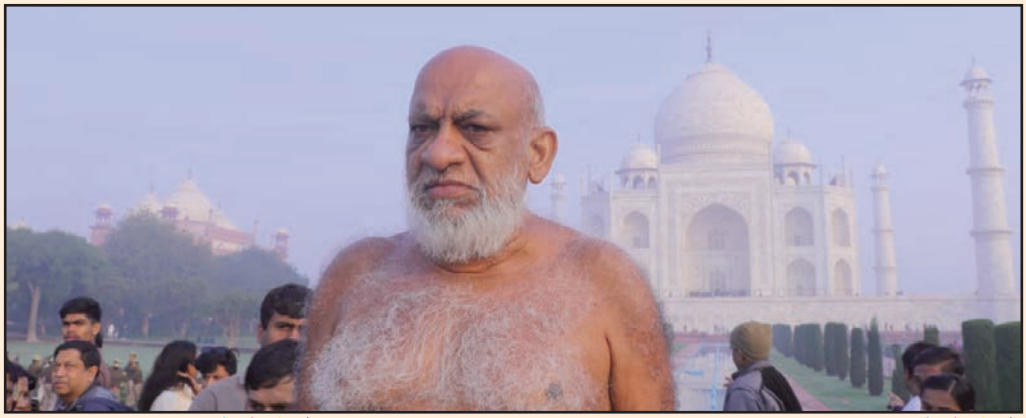

कई रोगों की एक दवा "योग"

डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जो कि पूरे शरीर को अंदर और बाहर, दोनों हिस्सों को कई रोगों से ग्रसित कर देती है. विगत कुछ महीने पहले जारी इंटरनेशनल डायबेट्स फेडरेशन के आंकड़ों के मुताबिक, भारत के प्रति 12 वयस्कों में से एक और कुल आबादी में से करीब 7 करोड़ 40 लाख से अधिक लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं.

डायबिटीज रोगियों के मामले में चीन के बाद भारत दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा देश है. चीन में करीब 14 करोड़ 10 लाख लोग डायबिटीज से पीड़ित हैं.

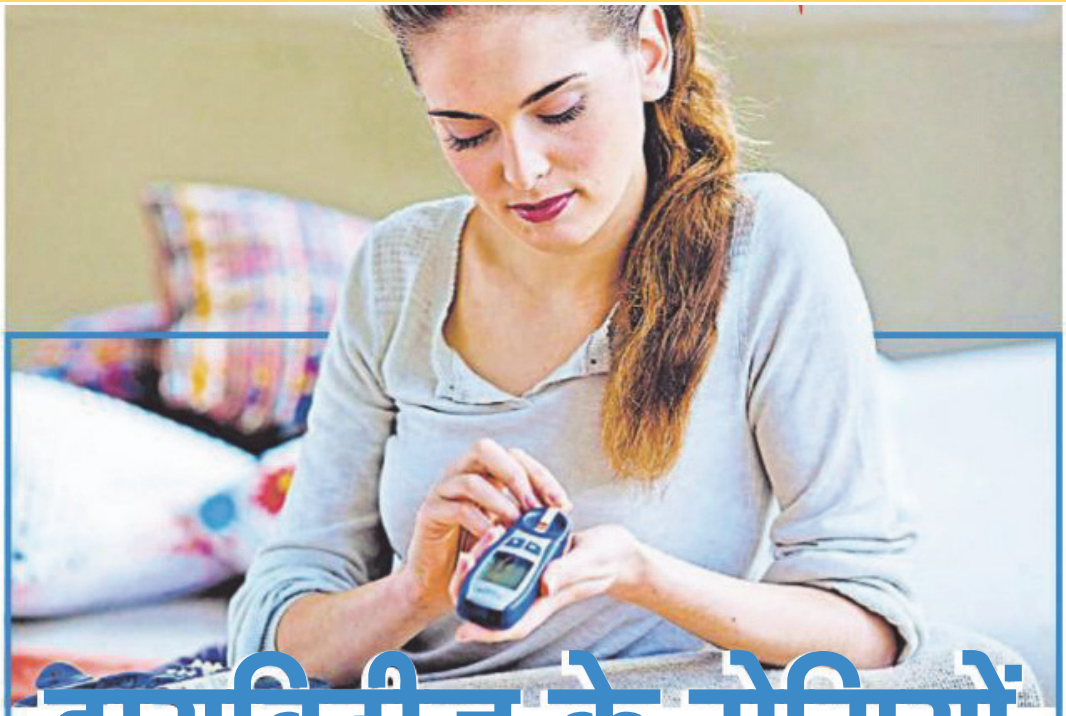

डायबिटीज के रोगियों के लिए लाभदायक हैं ये योगासन

डायबिटीज के उपचार में चल रही दवाओं के अलावा आप योगासन के जरिये भी स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं. अंतरराष्ट्रीय ग्रैंडमास्टर अक्षर के सुझाये इन तीन योगासनों के अभ्यास से डायबिटीज के मरीज अपना शुगर लेवल कंट्रोल कर सकते हैं. ये सारे योगासन सुबह-शाम तीन-तीन सेट में करना है. हर सेट में पांच काउंट तक ठहरना है.

अधोमुख श्वानासन

जमीन पर सीधे खड़े हो जाएं. दोनों हाथों को आगे करते हुए नीचे जमीन की ओर झुकें, घुटने सीधे रहने चाहिए. हथेलियों को झुकी हुई अवस्था में आगे की ओर फैलाएं और उंगलियां सीधी रखें. सांस छोड़ें और घुटनों को अधोमुख श्वानासन मुद्रा के लिए हल्का-सा धनुष के आकार में मोड़ें. हाथों को पूरी तरह जमीन पर कंधों के नीचे से आगे की ओर फैलाए रखें. घुटनों को जमीन पर थोड़ा और झुकाएं और कूल्हों को जितना संभव हो ऊपर उठाएं. सिर जमीन की ओर झुका होना चाहिए और पीठ के बराबर हो.

- **अन्य लाभ :** रक्त संचार, पाचन तंत्र सुधरता है. साथ ही लीवर और किडनी स्वस्थ रहते हैं.

मंडूकासन

वज्रासन में बैठ जाएं दोनों हाथों को मुट्ठी बनाते हुए नाभि चक्र व जांघ के पास ले जाएं. मुट्ठी खड़ी रहेगी और अंगूठे अंदर की ओर होंगे. मुट्ठियों को नाभि के आसपास लगा लेना है. सांस बाहर छोड़ते हुए पेट को अंदर की तरफ खींचें. अब धीरे-धीरे आगे की ओर झुकें. सिर और गर्दन उठाए रखें और सामने की ओर देखते रहें. आप चाहें तो सिर-गर्दन को एक सीध में रखकर जमीन से समानांतर भी रख सकते हैं.

- **अन्य लाभ :** बढ़े वजन, कब्ज व दमा से राहत.

पादहस्तासन

योग मैट पर सीधे खड़े हो जाएं. फिर दोनों हाथों को शरीर के दोनों तरफ फैलाकर सांस अंदर भरते हुए सिर की ओर उठाएं और कमर मोड़ कर झुकते हुए जमीन की ओर ले जाएं. झुकते समय सांसों को बाहर छोड़ना है. अपने हाथों को पैर के पंजे के बगल में जमीन पर रखें. सिर भी घुटनों के पास लगा रहेगा. इस स्थिति में 15 से 30 सेकेंड तक स्थिर बने रहें.

- **अन्य लाभ :** हाइ ब्लड प्रेशर, नपुंसकता, नाक, कान व गले की समस्या दूर करता है.

जानिए योग गुरु अक्षर को

महायोगी अक्षर नाथ, ग्रैंड मास्टर अक्षर नाम से प्रसिद्ध सबसे युवा भारतीय योग एवं आध्यात्मिक शिक्षकों में से एक हैं. 28 अगस्त, 1983 को हिमाचल प्रदेश में जन्मे अक्षर ने छह वर्ष की उम्र से ही योग प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया था. उनका प्रशिक्षण मुख्यत: हिमालय की गोद व नेपाल में हुआ है. इसमें कौलान्तक पीठ भी शामिल है, जो हिमालय में योग की सबसे प्राचीन शिक्षास्थली है. वे वर्तमान में अक्षर योग संस्थान के निदेशक हैं.